

No. of Printed Pages : 8

CDM-01

**CERTIFICATE PROGRAMME IN
DISASTER MANAGEMENT (CDM)**

Term-End Examination

June, 2025

**CDM-01 : FOUNDATION COURSE IN DISASTER
MANAGEMENT**

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

Note : *Answer the questions as per the
instructions given in each Section.*

Section—I

Note : *Answer any **two** of the following
questions in about **500** words each.*

2×25=50

1. Examine the factors aggravating the disasters in India.

C-2557/CDM-01

P. T. O.

2. “The context of disasters could be global as well as regional.” Elaborate.
3. Write a note on the existing preparedness and relief measures at the national level.
4. Examine the role of Non-Governmental Organisations in disasters.

Section—II

Note : Answer any **three** of the following questions in about **250** words each.

3×12=36

5. Analyse the direct and indirect impact of snow avalanches.
6. Explain the nature of forecasting and warning systems in cyclones.

7. Bring out the meaning and concept of planning in the reference of disaster preparedness.
8. What are the different types of awareness required in disaster mitigation ?
9. Discuss the concept and significance of coordination.
10. Write a note on predictability, forecasting and warning for droughts and famine.

Section—III

Note : Answer any **two** of the following questions in about **75** words each.

2×7=14

11. Discuss the role of armed forces in disaster response.

12. Briefly bring out the relief measures given in the contingency plan.
13. Make the distinction between droughts and famines.
14. What do you understand by on-site and off-site disasters ?

CDM-01

आपदा प्रबन्धन में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

(सी. डी. एम.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

सी.डी.एम.-01 : आपदा प्रबन्धन में

आधार पाठ्यक्रम

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : प्रत्येक भाग में दिए गए निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग—I

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग

500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।

2×25=50

1. भारत में आपदाओं को प्रभावित करने वाले कारकों का परीक्षण कीजिए।

2. “आपदाओं का संदर्भ विश्वव्यापी तथा क्षेत्रीय हो सकता है।”
विस्तृत वर्णन कीजिए।
3. राष्ट्रीय स्तर पर मौजूदा समय में तैयारी तथा राहत सम्बन्धी
उपायों पर एक टिप्पणी लिखिए।
4. आपदाओं के दौरान गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका का
परीक्षण कीजिए।

भाग—II

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग

250 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।

3×12=36

5. हिमस्खलनों के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष प्रभाव का विश्लेषण
कीजिए।
6. चक्रवात में पूर्वानुमान और चेतावनी प्रणालियों की प्रकृति की
व्याख्या कीजिए।

7. आपदा तैयारी के संदर्भ में नियोजन के अर्थ एवं अवधारणा को उजागर कीजिए।
8. आपदा न्यूनीकरण के लिए आवश्यक विभिन्न प्रकार की जागरूकता क्या है ?
9. समन्वय की अवधारणा तथा महत्व की चर्चा कीजिए।
10. सूखा और अकाल के लिए भविष्यवाणी, पूर्वानुमान एवं चेतावनी पर एक टिप्पणी लिखिए।

भाग—III

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग

75 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।

2×7=14

11. आपदा प्रतिक्रिया में सशस्त्र बलों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

12. आपात योजनाओं में उल्लिखित राहत सम्बन्धी उपायों को संक्षिप्त में उजागर कीजिए।
13. सूखा और अकाल के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए।
14. यथास्थान तथा स्थानान्तर आपदाओं से आप क्या समझते हैं ?

x x x x x